पाठ – गोल (मेजर ध्यानचंद)

पाठ का सारांश

टीम के बीच मुकाबला - लेखक ने इस संस्मरण में एक घटना का वर्णन किया है जो सन् 1933 की है। उस समय लेखक पंजाब रेजिमेंट की और से खेलता था। एक दिन 'पंजाब रेजिमेंट और सैपर्स एंड माइनर्स टीम के बीच मुकाबला हुआ। 'माइनर्स टीम' के एक खिलाड़ी ने लेखक से गेंद छीनने को कोशिश की, लेकिन वे छीन न पाए। तभी गुस्से में उस खिलाड़ी ने हॉकी स्टिक गोल से लेखक के सिर पर वार किया। लेखक को पट्टी बाँधकर फिर से मैदान में लाया गया। लेखक ने अपना बदला मुकाबला जीत कर लिया। उसने दूसरी टीम को दो गोल से हराया। 'माइनर्स टीम' के खिलाड़ी को अपनी करनी पर शर्मिंदा होना पड़ा। लेखक बताता है कि बुरा करने वाले व्यक्ति को सदैव इस बात का डर रहता है कि उसके साथ भी कहीं कुछ बुरा न हो जाए।

स्वयं के नौसिखियापन और पदक का वर्णन – लेखक ने बताया कि उनका जन्म सन् 1904 में प्रयाग के एक साधारण परिवार में हुआ था। बाद में वे झाँसी चले गए। लेखक फर्स्ट ब्राह्मण रेजिमेंट में एक सिपाही के रूप में भर्ती हुआ। इस रेजिमेंट में हॉकी खेल का काफी नाम था। सूबेदार मेजर तिवारी लेखक को हॉकी खेलने के लिए कहते थे। धीरे-धीरे लेखक के खेल में निखार आया और उन्हें तरक्की मिली। बर्लिन ओलंपिक में लोग लेखक के खेल से काफी प्रभावित हुए। उन्हें हॉकी का जादूगर' कहा गया। बर्लिन ओलंपिक में उन्हें स्वर्ण पदक भी प्राप्त हुआ।

शब्दार्थ

- **कोशिश** – प्रयास
- **खत्म** – समाप्त
- **गुस्सा** – क्रोध
- **नौसिखिया** – नया सीखने वाला
- **निखार** – सुन्दरता

पाठ से

मेरी समझ से

1. (क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (☆) बनाइए।

1. "दोस्त, खेल में इतना गुस्सा अच्छा नहीं। मैंने तो अपना बदला ले ही लिया है। अगर तुम मुझे हॉकी नहीं मारते तो शायद मैं तुम्हें दो ही गोल से हराता।" मेजर ध्यानचंद की इस बात से उनके बारे में क्या पता चलता है?

- वे अत्यंत क्रोधी थे।
- वे अच्छे ढंग से बदला लेते थे।
- उन्हें हॉकी से मारने पर वे अधिक गोल करते थे।
- वे जानते थे कि खेल को सही भावना से खेलना चाहिए।

उत्तर – **वे जानते थे कि खेल को सही भावना से खेलना चाहिए। (☆)**

(2) लोगों ने मेजर ध्यानचंद को 'हॉकी का जादूगर' कहना क्यों शुरू कर दिया ?

- उनके हॉकी खेलने के विशेष कौशल के कारण
- उनकी हॉकी स्टिक की अनोखी विशेषताओं के कारण
- हॉकी के लिए उनके विशेष लगाव के कारण
- उनकी खेल भावना के कारण

उत्तर – उनके हॉकी खेलने के विशेष कौशल के कारण (☆)

(ख) अब अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुने ?

उत्तर –

(1) वे जानते थे कि खेल को सही भावना से खेलना चाहिए।

(2) उनके हॉकी खेलने के विशेष कौशल के कारण

हमने ये उत्तर इसलिए चुने हैं क्योंकि इनका वर्णन 'गोल' पाठ के अन्तर्गत किया गया है।

मिलकर करें मिलान

(क) पाठ में से चुनकर कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं और इन्हें इनके सही अर्थों या संदर्भों से मिलाइए।

शब्द	अर्थ या सन्दर्भ
1. लांस नायक	1. स्वतंत्रता से पहले सूबेदार भारतीय सैन्य अधिकारियों का दूसरा सबसे बड़ा पद था।
2. बर्लिन ओलंपिक	2. भारतीय सेना का एक पद (रैंक) है।
3. पंजाब रेजिमेंट	3. सैनिकों के रहने का क्षेत्र।
4. सैपर्स एंड माइनर्स टीम	4. वर्ष 1936 में जर्मनी के बर्लिन शहर में आयोजित ओलंपिक खेल प्रतियोगिता जिसमें 49 देशों ने भाग लिया था।
5. सूबेदार	5. स्वतंत्रता से पहले अंग्रेजों की भारतीय सेना का एक दल।
6. छावनी	6. अंग्रेजों के समय का एक हॉकी दल।

उत्तर –

शब्द	अर्थ या सन्दर्भ
1. लांस नायक	2. भारतीय सेना का एक पद (रैंक) है।
2. बर्लिन ओलंपिक	4. वर्ष 1936 में जर्मनी के बर्लिन शहर में आयोजित ओलंपिक खेल प्रतियोगिता जिसमें 49 देशों ने भाग लिया था।
3. पंजाब रेजिमेंट	5. स्वतंत्रता से पहले अंग्रेजों की भारतीय सेना का एक दल।
4. सैपर्स एंड माइनर्स टीम	6. अंग्रेजों के समय का एक हॉकी दल।
5. सूबेदार	1. स्वतंत्रता से पहले सूबेदार भारतीय सैन्य अधिकारियों का दूसरा सबसे बड़ा पद था।
6. छावनी	3. सैनिकों के रहने का क्षेत्र।

egyanarchive

पंक्तियों पर चर्चा

पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियों नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इनका अर्थ लिखिए।

(क) "बुरा काम करने वाला आदमी हर समय इस बात से डरता रहता है कि उसके साथ भी बुराई की जाएगी।"

उत्तर – जिस व्यक्ति के मन में गलत विचार होते हैं उसे सभी व्यक्ति गलत लगते हैं।

(ख) "मेरी तो हमेशा यह कोशिश रहती कि मैं गेंद को गोल के पास ले जाकर अपने किसी साथी खिलाड़ी को दे दूँ ताकि उसे गोल करने का श्रेय मिल जाए। अपनी इसी खेल भावना के कारण मैंने दुनिया के खेल प्रेमियों का दिल जीत लिया।"

उत्तर – मेजर ध्यानचंद जी के भीतर टीम भावना थी इसलिए वह इस भावना को लेकर खेल खेलते थे। हॉकी एक व्यक्ति द्वारा नहीं खेला जाता है। इस खेल में सभी सदस्यों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। सभी सदस्यों के सहयोग से ही खेल जीता जा सकता है।

सोच-विचार के लिए

संस्मरण पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) ध्यानचंद की सफलता का क्या रहस्य था?

उत्तर – ध्यानचंद अपनी लगन से खेल खेलते थे तथा उनमें टीम भावना विद्यमान थी।

(ख) किन बातों से ऐसा लगता है कि ध्यानचंद स्वयं से पहले दूसरों को रखते थे?

उत्तर – ध्यानचंद कहते हैं कि वह गेंद को गोल के पास ले जाकर अपने किसी साथी खिलाड़ी को दे देते हैं ताकि उसे गोल करने का श्रेय मिल जाए। इस बात से ऐसा लगता है कि ध्यानचंद स्वयं से पहले दूसरों को रखते थे।

संस्मरण की रचना

(क) अपने-अपने समूह में मिलकर इस संस्मरण की विशेषताओं की सूची बनाइए।

उत्तर – संस्मरण की विशेषताएँ इस प्रकार हैं-

(i) लेखक अपने अनुभव व्यक्त करता है।

(ii) लेखक की अनुभूतियाँ और संवेदनाएँ इसमें निहित होती है।

(iii) लेखक स्मृति के आधार पर किसी घटना का वर्णन करता है।

शब्दों के जोड़े, विभिन्न प्रकार के

(क) "जैसे-जैसे मेरे खेल में निखार आता गया वैसे-वैसे मुझे तरक्की भी मिलती गई।" आप भी ऐसे पाँच शब्द-युग्म लिखिए।

उत्तर –

(1) पग-पग

(ii) बार-बार

(iii) घर-घर

(iv) बूँद-बूँद

(v) लम्बी-लम्बी

egyanarchive

(ख) "खेल के मैदान में धक्का-मुक्की और नोंक-झोंक की घटनाएँ होती रहती हैं।" आप भी ऐसे पाँच शब्द युग्म लिखिए जिनमें दोनों शब्द भिन्न-भिन्न हों।

उत्तर –

(i) रात-दिन

(ii) लड़ाई-झगड़ा

(iii) हार-जीत

(iv) सुख-दुःख

(v) पाप-पुण्य

(ग) "हार या जीत मेरी नहीं बल्कि पूरे देश की है।"

"आज मैं जहाँ भी जाता हूँ बच्चे व बूढ़े मुझे घेर लेते हैं।" आप नीचे दिए गए शब्दों को योजक चिन्ह (-) की सहायता से लिखिए-

- अच्छा या बुरा
- छोटा या बड़ा
- अमीर और गरीब
- उत्तर और दक्षिण
- गुरु और शिष्य
- अमृत या विष

उत्तर –

- अच्छा-बुरा
- छोटा-बड़ा
- अमीर-गरीब
- उत्तर-दक्षिण
- गुरु-शिष्य
- अमृत-विष

बात पर बल देना

"मैंने तो अपना बदला ले ही लिया है।"

"मैंने तो अपना बदला ले लिया है।"

पाठ में से बल देने वाले शब्दों से युक्त वाक्यों को चुनकर लिखिए।

उत्तर –

(i) खेल में तो यह सब चलता **ही** है।

(ii) उन दिनों **भी** यह सब चलता था।

(iii) अब हर समय मुझे **ही** देखता रहता कि मैं कब उसके सिर पर हॉकी स्टिक मारने वाला है।

वाक्य में ये शब्द न होते तो उनका अर्थ बदल जाता।

पाठ से आगे

आपकी बात

(क) ध्यानचंद के स्थान पर आप होते तो क्या आप बदला लेते ? यदि हाँ, तो बताइए कि आप बदला किस प्रकार लेते?

उत्तर –

यदि हम ध्यानचंद के 'स्थान' पर होते तो उसी प्रकार बदला लेते जिस प्रकार ध्यानचंद ने लिया। किसी के साथ गलत नहीं करना चाहिए। अपने खेल को ईमानदारी से खेलना चाहिए।

(ख) आपको कौन-से खेल और कौन-से खिलाड़ी अधिक अच्छे लगते हैं? क्यों?

उत्तर – (छात्र स्वयं करें)

मुझे क्रिकेट पसंद है और विराट कोहली खिलाड़ी पसंद है क्योंकि यह अच्छा क्रिकेट खेलता है।

समाचार पत्र से

(क) क्या आप समाचार-पत्र पढ़ते हैं? अपनी पसंद का एक खेल समाचार लिखिए।

उत्तर – हाँ हम समाचार पत्र पढ़ते हैं। खेल समाचार इस प्रकार है-

(i) ओलंपिक पदकवीरों से मुलाकात करेंगे पीएम मोदी।

(ii) नीरज चोपड़ा देरी से लौटेंगे अपने घर।

(ख) मान लीजिए कि आप एक खेल-संवाददाता हैं और किसी खेल का आँखों देखा प्रसारण कर रहे हैं। अपने समूह के साथ मिलकर कक्षा में उस खेल का आँखों देखा हाल प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर – खेल प्रसारण की कमेंटरी इस प्रकार है (छात्र कक्षा में अभिनय द्वारा इसे प्रस्तुत करेंगे।)

(i) ये शानदार चौका घुमाकर किया गया है विराट कोहली द्वारा।

(ii) बुमराह के इस कैच ने भारत को जीत दिलाने में जी तोड़ प्रयास किया।

आज की पहेली

यहाँ एक रोचक पहेली दी गई है। इसमें आपको तीन खिलाड़ी दिखाई दे रहे हैं। आपको पता लगाना है कि कौन-से खिलाड़ी द्वारा गोल किया जाएगा-

उत्तर – दायीं तरफ खड़ी लड़की द्वारा गोल किया जाएगा।

साझी समझ

(क) आपने इस खेल के नियम पढ़कर अच्छी तरह समझ लिए हैं। अब अपने मित्रों के साथ मिलकर 'डाँडी' या गोधा खेल खेलिए।

उत्तर – छात्र 'डाँडी या गोथा' का खेल खेलेंगे।

(ख) डाँडी' या गोधा' जैसे खेलों के अनुसार किसी एक खेल के नियम इस प्रकार से लिखिए कि उन्हें पढ़कर कोई भी बच्चा उस खेल को समझ सके और खेल सके।

उत्तर – क्रिकेट खेल के नियम इस प्रकार हैं-

(i) इसमें 11 खिलाड़ियों वाली दो टीम बनाई जाएँगी।

(ii) पिच को सटीक रूप से मापा जाएगा।

(iii) यदि किसी गेंदबाज की गेंद स्टम्प पर लगती है तो बल्लेबाज को बोल्ड कर दिया जाएगा।

(iv) इसमें कैच के ज़रिए विकेट गिराया जाएगा।

(v) बल्लेबाज़ के आउट होने पर दूसरे बाल्लेबाज को भेजा जाएगा।

egyanarchive